



यह चित्र महाराष्ट्र की वरली शैली में बना है। बच्चों का ध्यान चित्र की ओर दिलाएँ।





14. एक बुढ़िया

कहीं एक बुढ़िया थी जिसका
नाम नहीं था कुछ भी,
वह दिन भर खाली रहती थी
काम नहीं था कुछ भी।
काम न होने से उसको
आराम नहीं था कुछ भी,
दोपहरी, दिन, रात, सबेरे,
शाम नहीं थी कुछ भी।





नाम बताओ, काम बताओ

बिना नामवाली बुढ़िया का कोई नाम रखो।

.....

वह दिन भर खाली रहती थी। उसके लिए कुछ काम सुझाओ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

काम करो कुछ काम करो

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा काम कौन करता है?

.....

.....

तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा आराम कौन करता है?

.....

.....

